

मैंया जी की पयजनियाँ... इन्नाना बोले
 सुन के धुन, मन मेरा, प्रेम रस घोले
 मैंया प्रेम रस घोले - मैंया प्रेम रस घोले
 जय माता की - जय-जय माता की
 बोले जय माता की - जय-जय माता की

शीश पे मुकुट मर्छ के,

चंदा भी सोहे ...

माथे की बिंदिया तेरी

मन को मोहे

लारे नथनी प्यारी-प्यारी,

झिल मिल डोले ---- सुन के धुन ----

मैंया जी की ----

लाल चुनरिया मर्छ की

चोला लालो लाल है

हाथों में मर्छ के चूड़ा,

सोहे लाल-लाल है

मणियों की माला तेरी

जैसे कुद बोले ---- सुन के धुन ----

मैंया जी की ----

बड़ी ही सुहानी धुन...

मन में समाई...

रेंसा लगा पास मेरे,

मैया दोड़ी आई...

आये आँसू नयनों से मँझ,

दिल मेरा डोले

सुन के धुन-----

मैया जी की पयजनियाँ-----

ऊँचा सिंगासन तेरा,

है जगमाता

"श्री बाबा श्री" की दाती

भाग विधाता

अपने भक्तों के लिए,

ज्ञान द्वार खोले

सुन के धुन-----

मैया जी की पयजनियाँ-----